राज्यपाल सचिवालय उत्तर प्रदेश
लखनऊ – 226027

संख्या – ई– 3354/जी0एस0
दिनांक : 28 मई, 2021

प्रेषक,

अपर मुख्य सचिव,
श्री राज्यपाल/कुलाधिपति उत्तर प्रदेश,
लखनऊ।

प्रेष्य,

कुलपति/निदेशक,
उत्तर प्रदेश के समस्त राज्य विश्वविद्यालय/संस्थान।

विषय : **वित्तीय वर्ष 2021–22 में विश्वविद्यालयों/संस्थानों द्वारा महिलाओं के लिये सम्पादित होने वाले आउटरीच/विस्तार गतिविधियों और कार्यक्रमों के बारे में निर्देश।**

महोदय/महोदया,

"महिला अध्ययन केन्द्र की स्थापना" की परिकल्पना को लेकर समय–समय पर मा0 श्री राज्यपाल महोदया द्वारा कुलपतियों के साथ चर्चा होती रही है। इसी कड़ी में दिनांक 25 फरवरी, 2021 को कुलपतियों की बैठक में माननीय श्री राज्यपाल द्वारा व्यक्त विचारों को दृष्टिगत रखते हुये महिलाओं के लिये सम्पादित होने वाले आउटरीच/विस्तार गतिविधियों और कार्यक्रमों का उद्देश्य निम्न विषयों पर केन्द्रित रखते हुये आगे की रणनीति वर्णित की जा रही है–

1) "महिला अध्ययन केन्द्र" औपचारिक कोर्स संचालित करने का केन्द्र नहीं होना चाहिए वरन् एक ऐसा केन्द्र होना चाहिए जहाँ पर बालिकाओं और महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाभिमान, आर्थिक स्वालम्बन की ओर प्रेरित करने का प्रयास किया जाये।

2) विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ महिला जगत को अधिक से अधिक प्राप्त हो सके, इस बारे में उन्हें इनकी जानकारी और व्यवहारिकता से अवगत कराया जाये।

3) महिलाओं को अधुनान्त तकनीकी संसाधनों के प्रयोग के लिए प्रेरित किया जाये।

4) सुदूर ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के साथ गहन पैठ बनाई जाये और उनसे घुलमिल कर उनका विश्वास जीतने का प्रयास किया जाये।

5) महिलाओं के विरूद्ध समाज में व्याप्त परम्परागत कुरीतियों से महिलाओं को सजग किया जाये और ऐसे विषयों पर उनसे ऐतिहासिक और आज के युग में

सफल महिलाओं के दृष्टांत उदधृत करते हुए विस्तृत चर्चा करके प्रेरित किया जाये।

उपरोक्त विषयों को संज्ञान में रखते हुये विश्वविद्यालयों द्वारा निम्नानुसार कार्यवाही अपेक्षित है:–

1) प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय और उनके सभी महाविद्यालय कम से कम एक गॉव को अंगीकृत करेंगे और सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ विश्वविद्यालय एक कार्यशाला का आयोजन करने के साथ महिला सुरक्षा समिति का गठन करेंगे।

2) ऐसे अंगीकृत गॉव में सम्बन्धित विश्वविद्यालयों/महाविद्यालय के अध्यापक/छात्र आदि प्रत्येक सप्ताह ग्राम का भ्रमण करेंगे। इसके लिये गॉव के प्रधान तथा गॉव की महिलाओं के बीच में जाकर उन्हें केन्द्र सरकार की योजनाओं से अवगत करायेंगे।

3) गॉव की महिलाओं का विश्वास जीतने के बाद उनसे महिलाओं से जुड़े हुये मुद्दों पर चर्चा आगामी प्रस्तरों में वर्णित माध्यमों के प्रयोग से करने का प्रयास किया जायेगा।

4) समस्त विश्वविद्यालय एवं सभी सहयुक्त/सम्बद्ध महाविद्यालय अप्रैल 2021 से मार्च 2022 तक निम्न तालिका में वर्णित कलेण्डर के अनुसार कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करायेंगे :–

क्र0	विशेष दिवस	मासिक विषय/प्रसंग
	अप्रैल, 2021	
1	नवसंवत्सर का शुभारम्भ	• ऐतिहासिक और आज के युग में सफल महिलाओं के दृष्टांत उदधृत करते हुए समाज के प्रत्येक क्षेत्र के उत्थान में महिलाओं का योगदान
2	पृथ्वी दिवस (earth day)	• सामान्य स्वास्थ्य एवं स्वच्छता
	मई, 2021	
3	मातृ दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय परिवार दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस	• परिवार में महिलाओं को स्थान और उनका योगदान। • परिवार के पालन–पोषण तथा विकास में महिलाओं का योगदान • मातृ शक्ति/Women as Earth Mothers
	जून, 2021	
4	बाल मजदूरी विरोध दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय बाल सुरक्षा दिवस	• सामाजिक दबाव के कारण ग्रामीण परिवेश में महिलाओं के साथ हो रहे शोषण के बारे में जानकारी देने के साथ–साथ उनकी पीड़ा को सुनकर उनकी समस्याओं का निराकरण

		कराना ताकि उनके ऊपर जो सामाजिक मानसिक दबाव है, वह दूर हो सके। • घरेलू हिंसा पर कानूनी समझ। • नाबालिग बच्चों की सुरक्षा इत्यादि पर केन्द्रित जानकारी।
5	विश्व पर्यावरण दिवस	• खुले में शौच से मुक्ति • दैनिक जीवन में स्वच्छता • पर्यावरण का विकास • झुग्गी झोपड़ी/घर की सफाई व्यवस्था की स्पर्धा
	जुलाई, 2021	
6	विश्व जनसंख्या दिवस, चिकित्सक दिवस,	• सुरक्षित मातृत्व गर्भ संस्कार तथा संस्थागत प्रसव • महिला एवं बाल कुपोषण निवारण तथा पुष्टाहार वितरण • महिलाओं में रक्त की कमी, ब्रेस्ट कैंसर तथा सर्वाइकल कैंसर • बच्चों में क्षय रोग निवारण आदि • 6 माह से लेकर 5 वर्ष की उम्र वाले बच्चों की स्वास्थ्य की स्पर्धा • किशोरियों की स्वास्थ्य स्पर्धा • पोषणयुक्त आहार बनाने की स्पर्धा
7	अन्तर्राष्ट्रीय न्याय दिवस	• सरकार द्वारा महिलाओं के लिए बनाये गये कानूनों के बारे में उन्हें जानकारी देना। • सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में उन्हें जानकारी देना और इसका लाभ उन्हें अधिक से अधिक कैसे मिल सकता है। इसका व्यवहारिक ज्ञान भी देना तथा इन योजनाओं से उन्हें लाभ प्राप्त होने में यदि कोई कठिनाई आ रही है तो उसका निराकरण कराना।
	अगस्त, 2021	
8	स्वतन्त्रता दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस, मित्रता दिवस	• परम्परागत रूप से महिलाओं के विरूद्ध समाज में व्याप्त विभिन्न कुरीतियों जैसे–पर्दा प्रथा, दहेज, बेटी न पढ़ाओं, घर से बाहर न निकलना इत्यादि के बारे में जागृत करना।
	सितम्बर, 2021	

9	शिक्षक दिवस, साक्षरता दिवस,	• सभी बच्चों का आंगनबाडी तथा प्राथमिक कक्षा में अनिवार्य रूप से दाखिला सुनिश्चित कराना तथा यह सुनिश्चित करना कि दाखिले के उपरान्त बच्चे नियमित रूप से स्कूल आयें और बीच में ही पढ़ाई न छोडें। • उच्च शिक्षा में अध्ययनरत बालिकाओं को गणित, विज्ञान, वाणिज्य आदि विषयों की शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना। • नई शिक्षा नीति में महिलाओं के लिए प्रस्तावित व्यवस्था से भिज्ञ कराना इत्यादि।
	अक्टूबर, 2021	
10	गाँधी जयन्ती, वृद्ध दिवस, बालिका दिवस,	• बुजुर्ग महिलायें, विधवाओं एवं बच्चियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य की देख रेख सम्बन्धित सूचनायें/ जानकारी।
	नवम्बर, 2021	
11	बाल दिवस	• लैंगिक भेदभाव/किशोरावस्था से जुड़े मुद्दे पर जानकारी।
	दिसम्बर, 2021	
12	ऊर्जा संरक्षण दिवस	• ग्रामीण परिवेश में ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों का संरक्षण, इनके अपव्यय को रोका जाना • बिजली का दुरूपयोग न होने पाये, बिजली बिल का समय से भुगतान हो आदि
13	किसान दिवस	• कृषि, उद्यान, पशुपालन तथा अन्य कृषि सम्बन्धी विषयों पर चर्चा • शासकीय योजनाओं से जुड़कर इन गतिविधियों से अधिक से अधिक आय प्राप्त करने का प्रयास
14	राष्ट्रीय प्रदूषण निवारण दिवस	• पर्यावरण/जलवायु परिवर्तन/शतत् विकास के मुद्दों पर केन्द्रित गतिविधियों एवं महिलाओं के परिवार एवं समाज से जुड़े पर्यावरण संरक्षण के बिन्दुओं पर केन्द्रित चर्चाऐं और व्यवहारिक ज्ञान भी देना, जो स्वच्छता, शुद्ध पेय जल, पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली इत्यादि पर हो।
	जनवरी, 2022	
15	अन्तर्राष्ट्रीय परिवार दिवस	• महिलाओं के स्वावलम्बन सम्बन्धी मुद्दे, रोजगार की ओर प्रेरित करना, सेवा क्षेत्रों में जाने के लिए प्रेरित करना। • बैंकिंग सेवायें, स्वयं सहायता समूहों का गठन इत्यादि पर जानकारी देना। • विश्वविद्यालयों/कालेजों में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की चर्चा कराई जाये।

		• स्वयं सहायकता समूह की महिलायें जिन वस्तुओं का उत्पादन करती हैं उन्हें बढ़ावा दिया जाये।
	फरवरी, 2022	
16	महिलाओं–बालिकाओं के लिए अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान दिवस राष्ट्रीय महिला दिवस, सरोजनी नायडू जी का जन्म दिवस	• इतिहास में अपनी प्रतिभाओं से ख्याति अर्जित करने वाली महिलाओं से परिचय कराना। • वर्तमान युग में भी देश की अनेक महिलाओं ने विविध क्षेत्रों में यथा–खेल, शिक्षा, चिकित्सा, अन्तरिक्ष विज्ञान, रोजगार/व्यवसाय, बैंकिंग आदि में ऐसे उत्कृष्ट कार्य किये हैं जिसके लिए उन्हें सम्मानित किया गया है, ऐसी महिलाओं तथा उनकी उपलब्धियों/ख्याति की चर्चा करना। • स्थानीय स्तर पर किसी महिला/बालिका द्वारा यदि कोई महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गयी है तो उसके बारे में चर्चा करना तथा उसके योगदान से भी परिचित कराना।
	मार्च, 2022	
17	08 मार्च, 2022 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस	• राज भवन में प्रदेश स्तरीय महिला समागम का आयोजन।

5) उपरोक्त आयोजनों के दौरान मुक्त चर्चा, नुक्कड़ नाटक, वाद–विवाद प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतिस्पर्द्धाओं का आयोजन, महिला समूहों के साथ अनौपचारिक चर्चाएं एवं संवाद, विभिन्न स्थानीय कार्यालयों का भ्रमण, स्थानीय सामयिक त्योहारों एवं पर्वों को मिलजुल कर मनाया जाना आदि गतिविधियाँ सम्मिलित की जायें।

6) महिलाओं को व्यवसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करना। इसके लिए महिला समूहों का सफल दृष्टान्तों का भ्रमण कराना आदि गतिविधियों का भी आयोजन कराया जाये।

7) इन आयोजनों में विश्वविद्यालय/महाविद्यालयों से आने वाले अध्यापकों/छात्रों के साथ–साथ ग्रामीण महिलाओं, वयस्क बालिकाओं तथा छोटी बच्चियों की भी सहभागिता सुनिश्चित की जाये। प्रयास यह होना चाहिए कि स्थानीय महिलाओं की सहभागिता अधिक हो।

8) विभिन्न गतिविधियों के लिए स्थानीय महिलाओं के छोटे–छोटे समूहों का गठन करने पर भी विचार कर लिया जाये और उन्हें अलग–अलग दायित्व देते हुए उन्हें प्रेरित किया जाये, उनसे गतिविधियाँ सम्पादित करायी जायें आदि।

9) ग्रामीण महिलाओं का विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, जनपद के महत्वपूर्ण कार्यालय, जनपद और आसपास के अन्य पर्यटन स्थलों आदि का भ्रमण कार्यक्रम भी आयोजित कराया जाये।

10) इन गतिविधियों के आयोजन में एन0एस0एस0, एन0सी0सी0, यूनिसेफ, स्काउट एवं गाइड, विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं आदि का भी सहयोग प्राप्त कर लिया जाये।

11) विश्वविद्यालय/जनपद स्तर पर वर्ष में कम से कम चार स्पर्धाओं/प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाये। विविध प्रकार के आयोजन/स्पर्धा करवाने से जागरूकता आती है तथा आदत अच्छी बनती है।

12) इन आयोजनों के दौरान सम्पन्न होने वाली विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के आधार पर उत्कृष्ट परफार्म करने वाली महिलाओं का उत्साह वर्धन किया जाये और विभिन्न अवसरों पर पुरस्कृत भी किया जाये।

13) वर्ष के अन्त में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिनांक 08 मार्च, 2022 को राज भवन में प्रदेश स्तर पर एक समागम आयोजित किया जायेगा। इसमें प्रत्येक विश्वविद्यालय से चयनित अधिकतम 10 महिलाओं का एक दल प्रतिभाग करेगा। इस समागम में प्रतिभाग करने वाली महिलाओं की सहभागिता से विभिन्न आयोजन किये जायेंगे जिसकी रूपरेखा बाद में निर्धारित की जायेगी। पूरे वर्ष भर चले इन आयोजनों में उत्कृष्ट परफार्म करने वाली महिलाओं को मा0 कुलाधिपति द्वारा सम्मानित भी किया जायेगा।

इस सम्बन्ध में मुझे आपसे यह कहने का निदेश हुआ है कि सभी विश्वविद्यालय/संस्थान कृपया वित्तीय वर्ष 2021–22 में उपरोक्तानुसार कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ संचालित कराने का कष्ट करें तथा कृत कार्यवाही की मासिक रिपोर्ट भी माननीय कुलाधिपति कार्यालय को भेजने का कष्ट करें। इस वित्तीय वर्ष के दो महीने अप्रैल व मई 2021 कोरोना से प्रभावित रहे हैं जिसके कारण इन दो महीनों में अपेक्षित कार्यवाही अब सम्पन्न करना सम्भव नहीं है किन्तु शेष समयावधि में कोविड प्रोटोकाल को संज्ञान में रखते हुये शेष कार्यवाहियाँ सम्पन्न करायी जायें।

(महेश कुमार गुप्ता)
अपर मुख्य सचिव श्री कुलाधिपति

प्रतिलिपि : कुलसचिव समस्त राज्य विश्वविद्यालय/संस्थान को इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि कृपया कुलपति/निदेशक के मार्गदर्शन में उपरोक्त कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें।

(महेश कुमार गुप्ता)
अपर मुख्य सचिव श्री कुलाधिपति